

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन

प्रवीण सिंह^{1*}, डॉ. ममता रानी²

1 शोधार्थी, श्री कृष्ण विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

ouriginal.sku@gmail.com

2 सहायक प्रोफेसर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर म.प्र.

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में, सोशल मीडिया विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है, जिसका प्रभाव उनकी अध्ययन आदतों, सामाजिक व्यवहार और शैक्षिक प्रदर्शन पर देखा जा सकता है। इस शोध का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का मूल्यांकन करना है। अध्ययन के अंतर्गत 600 विद्यार्थियों को लिंग, विद्यालय प्रकार, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शहरी-ग्रामीण पृष्ठभूमि के आधार पर वर्गीकृत किया गया। सांख्यिकीय परीक्षणों (टी-टेस्ट, एएनओवा और काय-स्कायर) के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष दर्शाते हैं कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जबकि संतुलित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग उनके प्रदर्शन में सुधार ला सकता है। अध्ययन के परिणामों के आधार पर यह सुझाव दिया गया कि विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को सोशल मीडिया के जिम्मेदार और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि शैक्षिक सफलता और सामाजिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके।

मुख्य शब्द: सोशल मीडिया, किशोर, शैक्षणिक उपलब्धि, सामाजिक व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य

1. परिचय

पिछले दो दशकों में, सोशल मीडिया ने एक महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक बदलाव लाने वाली परिघटना के रूप में अपनी पहचान बनाई है। इसने न केवल किशोरों के संवाद और सूचना आदान-प्रदान के तरीके को परिवर्तित किया है, बल्कि उनके सामाजिक संपर्क, सूचना ग्रहण करने की प्रक्रिया और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को भी प्रभावित किया है। इंटरनेट और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग के कारण, सोशल मीडिया किशोरों के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है, जिसका उपयोग वे व्यक्तिगत, सामाजिक और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। हालांकि, इसके अत्यधिक उपयोग से होने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों को लेकर शोधकर्ता लगातार अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन अब भी इसके समग्र प्रभाव को पूर्ण रूप से समझना शेष है।

शैक्षिक दृष्टि से देखा जाए तो सोशल मीडिया का प्रभाव गहरा है। कुछ अध्ययनों में यह निष्कर्ष निकला है कि इसका अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को प्रभावित कर सकता है, जिससे उनकी एकाग्रता कम हो सकती है और अध्ययन के प्रति समर्पण में गिरावट आ सकती है। दूसरी ओर,

सोशल मीडिया सूचना प्राप्ति का एक व्यापक स्रोत भी प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री तक आसानी से पहुंच मिल सकती है।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया किशोरों के सामाजिक व्यवहार पर भी व्यापक प्रभाव डालता है। यह उनके दोस्त बनाने के तरीके, संवाद कौशल और सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। हालांकि, जब इसका उपयोग अत्यधिक हो जाता है, तो यह उनके व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक कौशल को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि वे ऑनलाइन दुनिया में अधिक समय बिताने लगते हैं, जिससे उनके वास्तविक जीवन के संबंध कमजोर हो सकते हैं।

आज की डिजिटल क्रांति में, सोशल मीडिया तेजी से विकसित हो रहे संचार साधनों में से एक बन गया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप, यूट्यूब और स्नेपचैट जैसे प्लेटफॉर्म न केवल मनोरंजन और संवाद के साधन हैं, बल्कि ये छात्रों के लिए ज्ञान साझा करने, सीखने और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के उपयोगी उपकरण भी बन गए हैं। हालांकि, यदि इनका उपयोग अनियंत्रित या अत्यधिक मात्रा में किया जाए, तो यह विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों, सामाजिक व्यवहार और शैक्षिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

सोशल मीडिया आज के युवाओं के लिए एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है, लेकिन इसका असंतुलित या अनुचित उपयोग उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकता है। यदि विद्यार्थी सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण और संतुलित तरीके से उपयोग करें, तो यह उनके लिए एक सहायक शिक्षण संसाधन बन सकता है। इसके विपरीत, अनियंत्रित उपयोग उनके अध्ययन, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थी अपने शैक्षिक और करियर निर्माण की एक महत्वपूर्ण अवस्था में होते हैं, जहां अध्ययन की आदतें, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और समय प्रबंधन कौशल अत्यंत आवश्यक होते हैं। यदि विद्यार्थी सोशल मीडिया पर अधिक समय व्यतीत करते हैं, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव उनके अध्ययन समय, संज्ञानात्मक कौशल और एकाग्रता पर पड़ सकता है। दूसरी ओर, यदि वे इसे संयमित और उद्देश्यपूर्ण रूप से उपयोग करते हैं, तो यह उनके शैक्षिक प्रदर्शन में सहायक सिद्ध हो सकता है। इस शोध के माध्यम से, सोशल मीडिया के प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा, ताकि यह समझा जा सके कि यह विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता को बढ़ावा देता है या बाधा उत्पन्न करता है।

1.1 सोशल मीडिया और शिक्षा के बीच संबंध

सोशल मीडिया और शिक्षा के बीच का संबंध जटिल है और यह कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे उपयोग की आवृत्ति, उद्देश्य, अवधि, और विद्यार्थी की अध्ययन शैली। कुछ शोधों के अनुसार, यदि सोशल मीडिया का सही ढंग से उपयोग किया जाए, तो यह छात्रों के लिए लाभकारी हो सकता है। यह न केवल नए विषयों को समझने में सहायक होता है, बल्कि साथियों और शिक्षकों के साथ संवाद को भी सुगम बनाता है। उदाहरण के लिए, यूट्यूब पर उपलब्ध शैक्षिक वीडियो, गूगल क्लासरूम, ऑनलाइन फ़ोरम, और शैक्षणिक ब्लॉग छात्रों को जटिल विषयों को सरलता से समझने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कई शिक्षण संस्थान अब ऑनलाइन शिक्षण और सोशल मीडिया-आधारित शिक्षण विधियों को अपना रहे हैं, जिससे छात्रों को अधिक इंटरैक्टिव और व्यावहारिक शिक्षा का अनुभव प्राप्त हो रहा है।

हालांकि, सोशल मीडिया का अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकता है। यदि विद्यार्थी लंबे समय तक सोशल मीडिया पर व्यस्त रहते हैं, तो इससे उनके अध्ययन के लिए उपलब्ध समय में कमी आ सकती है, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रियता के कारण ध्यान भटकने की समस्या, देर रात तक जागने की आदत, और अपर्याप्त नींद जैसी परेशानियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं।

1.2 अध्ययन आदतों पर सोशल मीडिया का प्रभाव

विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें उनकी शैक्षिक सफलता को सीधे रूप से प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण पारंपरिक अध्ययन पद्धतियों में बदलाव आ रहा है। वर्तमान में, कई छात्र किताबों की बजाय ऑनलाइन संसाधनों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं। डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री छात्रों को नवीनतम अध्ययन संसाधन प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इनका अनुचित तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह उनके अध्ययन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

कुछ विद्यार्थी सोशल मीडिया पर बिताए गए समय को उपयोगी मानते हैं, क्योंकि वे इसमें समूह चर्चाओं में भाग लेते हैं, शैक्षिक वीडियो देखते हैं और अपने विषयों से जुड़ी नई जानकारी हासिल करते हैं। हालांकि, दूसरी ओर, कई विद्यार्थी सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन का साधन समझते हैं और वहाँ अनावश्यक रूप से समय व्यतीत करते हैं। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से किशोरों में अधिक देखी जाती है,

जो अध्ययन की तुलना में ऑनलाइन चैटिंग, वीडियो देखने और गेम खेलने में अधिक रुचि रखते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और शैक्षिक प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।

1.3 शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया का प्रभाव

शैक्षिक उपलब्धि किसी भी विद्यार्थी की सीखने की क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाती है। इसे आमतौर पर परीक्षा के अंकों, ग्रेड, और शैक्षिक मूल्यांकन के अन्य रूपों के आधार पर मापा जाता है। सोशल मीडिया विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से प्रभावित कर सकता है।

(i) सकारात्मक प्रभाव

- **सहायक अध्ययन सामग्री की उपलब्धता:** यूट्यूब, गूगल स्कॉलर, ऑनलाइन फोरम और अन्य डिजिटल संसाधनों की मदद से विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों को गहराई से समझ सकते हैं।
- **सामूहिक अध्ययन:** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों से जुड़ने और ऑनलाइन चर्चा करने की सुविधा देता है, जिससे उनका ज्ञानवर्धन होता है।
- **शैक्षिक जागरूकता:** विभिन्न शैक्षिक समूहों और ऑनलाइन कोर्सेस की मदद से विद्यार्थी अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं और नई स्किल्स सीख सकते हैं।

(ii) नकारात्मक प्रभाव

- **ध्यान भटकाने की समस्या:** अधिकतर विद्यार्थी सोशल मीडिया पर समय बिताने के कारण अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है।
- **समय प्रबंधन की कठिनाई:** सोशल मीडिया की लत के कारण कई विद्यार्थी अपने अध्ययन और अन्य गतिविधियों के बीच संतुलन नहीं बना पाते, जिससे उनकी उत्पादकता घट जाती है।
- **नींद की कमी और मानसिक तनाव:** देर रात तक सोशल मीडिया का उपयोग करने से नींद की कमी, मानसिक थकान और तनाव बढ़ सकता है, जो अंततः उनकी शैक्षिक सफलता को बाधित करता है।

1.4 अनुसंधान की आवश्यकता एवं महत्व

यह अध्ययन आवश्यक है क्योंकि आधुनिक दौर में सोशल मीडिया विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। डिजिटल युग में इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों को समझना अत्यंत आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इसके उपयोग को उचित दिशा में नियंत्रित कर सकें।

इस शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना है। इसके तहत यह जांचने का प्रयास किया जाएगा कि सोशल मीडिया का संतुलित अथवा अत्यधिक उपयोग किस प्रकार विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार, परीक्षा परिणामों और सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। यह अध्ययन न केवल शिक्षकों और अभिभावकों के लिए लाभदायक होगा, बल्कि शैक्षिक नीति निर्माताओं को भी सोशल मीडिया के प्रभावी और उपयुक्त उपयोग हेतु नीतियाँ तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।

2. साहित्य की समीक्षा

आबिद, एच. (2022) आबिद के अध्ययन में उच्च शिक्षा संस्थानों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया। निष्कर्षों से स्पष्ट हुआ कि विश्वविद्यालय और कॉलेज संचार, विपणन, प्रशासनिक कार्यों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। यह न केवल छात्रों के प्रवेश से लेकर स्नातक होने तक की शैक्षिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करता है, बल्कि संस्थानों को नए छात्रों को आकर्षित करने, वर्तमान छात्रों से जुड़ने और पूर्व छात्रों के साथ संवाद बनाए रखने में भी सहायता करता है। अध्ययन से यह भी पता चला कि सोशल मीडिया शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को सहज बनाने, पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा देने और सूचनाओं के आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

साहू एट अल. (2022) साहू और उनके सहयोगियों के अध्ययन में किशोरों की शैक्षिक चिंता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 600 ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों पर किए गए इस शोध से यह निष्कर्ष निकला कि सोशल मीडिया का शैक्षिक चिंता पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं देखा गया। हालांकि, विद्यालय का प्रकार, शैक्षिक वातावरण और पारिवारिक पृष्ठभूमि शैक्षिक चिंता के स्तर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक पाए गए। निजी विद्यालयों के छात्रों में सरकारी विद्यालयों की तुलना में अधिक चिंता देखी गई, जिससे संकेत मिलता है कि विद्यालय की संरचना और शैक्षिक अपेक्षाएँ

छात्रों की मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन में यह पाया गया कि लड़कों और लड़कियों के शैक्षिक चिंता स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

एन्नो, एम. और जेनफैंग, एल. (2022) इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा में स्नातक स्तर के छात्रों द्वारा सोशल मीडिया के प्रति अपनाए गए दृष्टिकोण का विश्लेषण करना था। तमिलनाडु के सलेम जिले में 424 बी.एड. छात्रों पर किए गए इस शोध में यह निष्कर्ष निकला कि अधिकांश छात्रों का सोशल मीडिया को लेकर सकारात्मक रुख था। वे इसे ज्ञान साझा करने, शैक्षिक सामग्री तक आसानी से पहुंचने और सहपाठियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक प्रभावी माध्यम मानते हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया शैक्षिक संसाधनों को सुगम और अधिक प्रभावी रूप में उपलब्ध कराने में सहायक हो सकता है, जिससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सकता है।

अब्दु-रहीम, बी.ओ. (2022) इस अध्ययन में भारतीय युवाओं के सामाजिक जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का आकलन किया गया। मेरठ शहर में 50 स्नातक छात्रों पर किए गए इस शोध से यह निष्कर्ष निकला कि युवा सोशल मीडिया का उपयोग मुख्य रूप से संचार, मनोरंजन और सूचना प्राप्त करने के लिए करते हैं। हालांकि, इसके अत्यधिक उपयोग के कारण कई नकारात्मक प्रभाव भी देखे गए। अध्ययन में यह पाया गया कि युवा सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय व्यतीत करते हैं, जिससे उन्हें अनावश्यक संदेश, विवादास्पद राजनीतिक सामग्री और अनुचित चित्रों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया की लत ने उनकी शारीरिक गतिविधियों को भी प्रभावित किया, जिससे वे खेलकूद और अन्य बाहरी गतिविधियों में कम रुचि लेने लगे।

एडमू, एच. (2021) इस शोध में भारतीय छात्रों और किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। 16 से 22 वर्ष की आयु के विद्यार्थियों पर किए गए इस अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि 85% से अधिक कॉलेज छात्र और किशोर सोशल मीडिया का सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं। हालांकि, इसके अत्यधिक उपयोग ने उनकी शैक्षणिक गतिविधियों और सामाजिक सहभागिता को प्रभावित किया है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट्स के कारण छात्रों की एकाग्रता क्षमता में कमी आई है, जिससे उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

अडेबोवाले, एस.ए. (2021) इस अध्ययन में सतत शिक्षा शिक्षार्थियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता पर टेलीविजन के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया। 180 शिक्षार्थियों पर किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि टेलीविजन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्ययन में

यह देखा गया कि 78.8% लोग नियमित रूप से टेलीविजन देखते हैं, और उनमें से 30% नियमित रूप से स्वास्थ्य कार्यक्रमों को देखते हैं। शोध में यह भी पाया गया कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नियमित दर्शकों की तुलना में गैर-दर्शकों की स्वास्थ्य जागरूकता कम थी। इससे यह निष्कर्ष निकला कि टेलीविजन के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है और लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है।

3. शोध विधि

इस अध्ययन में सोशल मीडिया उपयोग और किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध की जाँच के लिए मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति को अपनाया गया है। शोध का उद्देश्य सांख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से यह समझना है कि सोशल मीडिया का उपयोग किस प्रकार से छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

- **शोध डिज़ाइन:** यह अध्ययन वर्णनात्मक और निष्कर्षात्मक अनुसंधान डिज़ाइन पर आधारित है। इसमें विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके छात्रों के सोशल मीडिया उपयोग और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया है।
- **जनसंख्या और नमूना:** शोध में 600 उच्च विद्यालयी छात्रों को शामिल किया गया है। इस नमूने को लिंग, स्कूल प्रकार, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, और शहरी-ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।
- **नमूना चयन प्रक्रिया:** स्तरीकृत यादृच्छिक नमूकरण का उपयोग किया गया है ताकि विभिन्न समूहों (लड़के-लड़कियाँ, सरकारी-सहायता प्राप्त-निजी स्कूलों, शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों) का समुचित प्रतिनिधित्व हो सके।
- **डेटा संग्रह प्रक्रिया:** डेटा संग्रह के लिए प्रश्नावली और शैक्षणिक रिकॉर्ड का उपयोग किया गया।

(क) प्रश्नावली: शोध में प्रयुक्त प्रश्नावली में निम्नलिखित अनुभाग सम्मिलित थे:

सामान्य जानकारी: लिंग, आयु, विद्यालय का प्रकार, सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि।

सोशल मीडिया उपयोग: औसत उपयोग समय (घंटे/दिन), उपयोग के उद्देश्य (शैक्षणिक/अशैक्षणिक), प्लेटफॉर्म का चयन।

शैक्षणिक प्रदर्शन: अंतिम परीक्षाओं में प्राप्त अंक (प्रतिशत)।

(ख) शैक्षणिक रिकॉर्ड: छात्रों के अंतिम परीक्षा अंकों को उनके विद्यालयों से प्राप्त किया गया और उनकी तुलना सोशल मीडिया उपयोग से की गई।

- **सांख्यिकीय तकनीक:** डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया और विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों को लागू किया गया। इनमें वर्णनात्मक सांख्यिकी (Mean, Standard Deviation), t-टेस्ट (T-Test) जिसका उपयोग लिंग के आधार पर शैक्षणिक प्रदर्शन की तुलना के लिए किया गया, ANOVA (Analysis of Variance) जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के स्कूलों के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के अंतर की जाँच के लिए किया गया, और Chi-Square परीक्षण जिसका उपयोग सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध की महत्वपूर्णता को जाँचने के लिए किया गया।

4. डेटा विश्लेषण और परिणाम

4.1 सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक उपलब्धि का संबंध

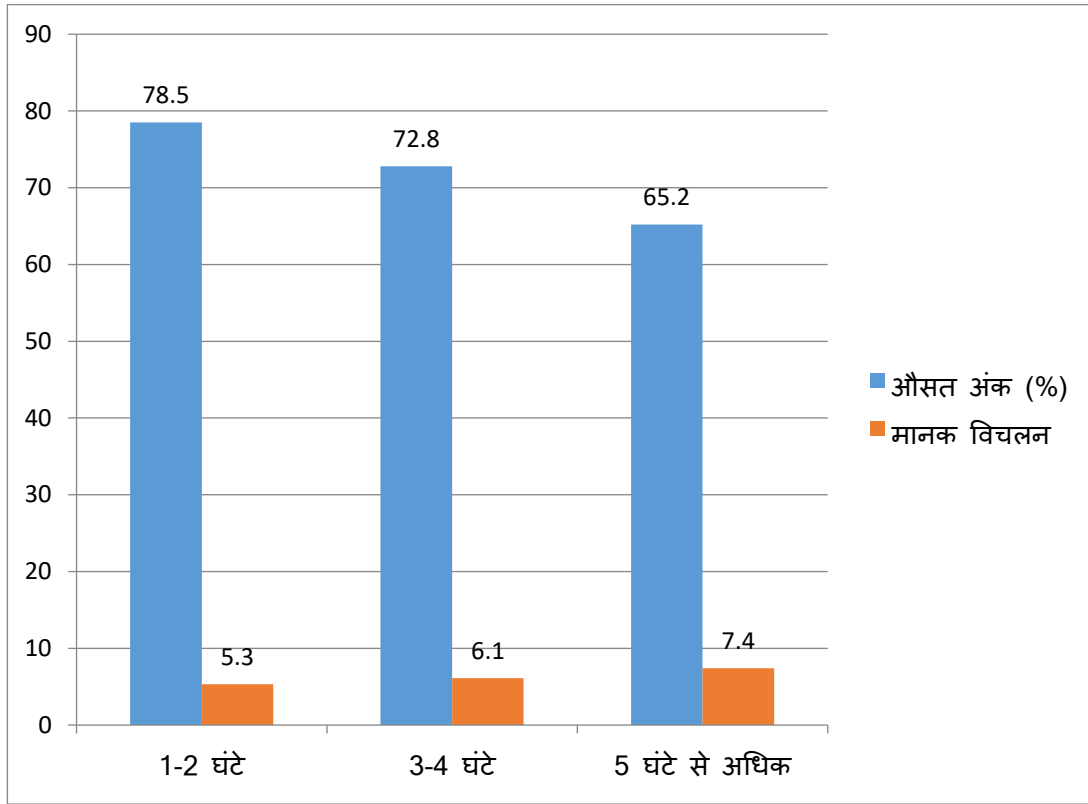
डिजिटल युग में सोशल मीडिया का छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग से अध्ययन के लिए कम समय बचता है, जिससे परीक्षा परिणाम प्रभावित होते हैं।

तालिका 1: सोशल मीडिया उपयोग के आधार पर शैक्षणिक प्रदर्शन

सोशल मीडिया उपयोग (घंटे/दिन)	औसत अंक (%)	मानक विचलन
1-2 घंटे	78.5	5.3
3-4 घंटे	72.8	6.1
5 घंटे से अधिक	65.2	7.4

1-2 घंटे सोशल मीडिया उपयोग करने वाले छात्रों का औसत स्कोर 78.5% पाया गया, जबकि 5 घंटे या अधिक समय बिताने वाले छात्रों का औसत स्कोर 65.2% था। अधिक सोशल मीडिया उपयोग से ध्यान

भटकता है, अध्ययन का समय कम होता है और नींद पर असर पड़ता है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन गिरता है।



ग्राफ 1: सोशल मीडिया उपयोग के आधार पर शैक्षणिक प्रदर्शन

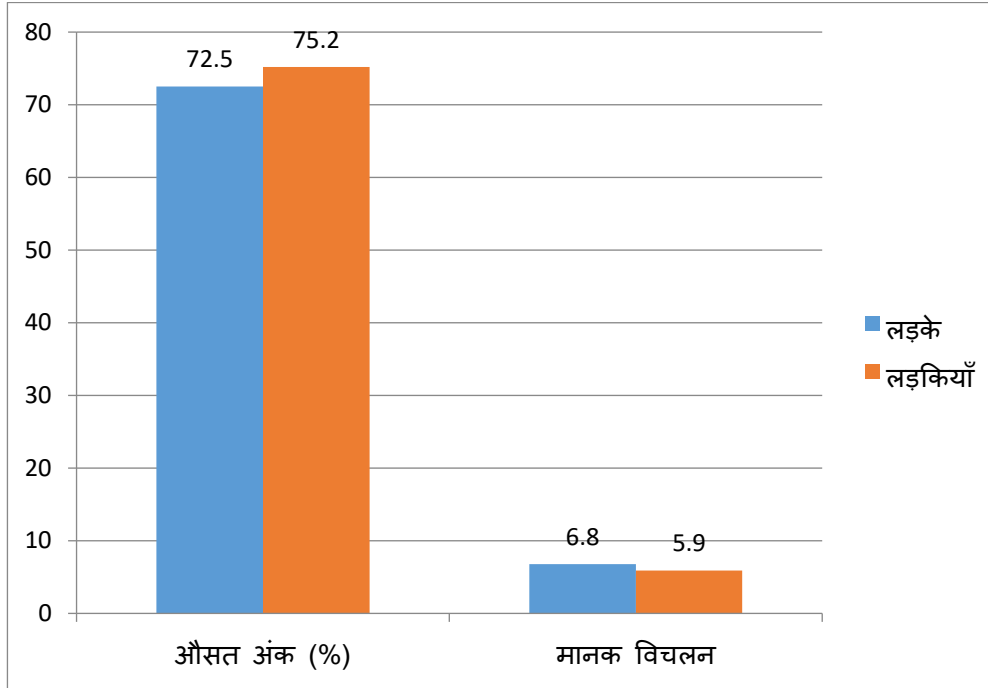
4.2 लिंग के आधार पर सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक उपलब्धि का अंतर (T-Test Analysis)

लड़कों और लड़कियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की तुलना के लिए T-Test किया गया।

तालिका 2: लिंग के आधार पर शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण

लिंग	औसत अंक (%)	मानक विचलन	t-मूल्य	p-मूल्य
लड़के	72.5	6.8	2.13	0.034*
लड़कियाँ	75.2	5.9		

लड़कियों का औसत स्कोर (75.2%) लड़कों (72.5%) से अधिक था। p-मूल्य (0.034) दर्शाता है कि यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसका कारण सोशल मीडिया उपयोग में अंतर और अध्ययन की विभिन्न आदतें हो सकती हैं।



ग्राफ 2: लिंग के आधार पर शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण

4.3 स्कूल प्रकार के आधार पर सोशल मीडिया प्रभाव

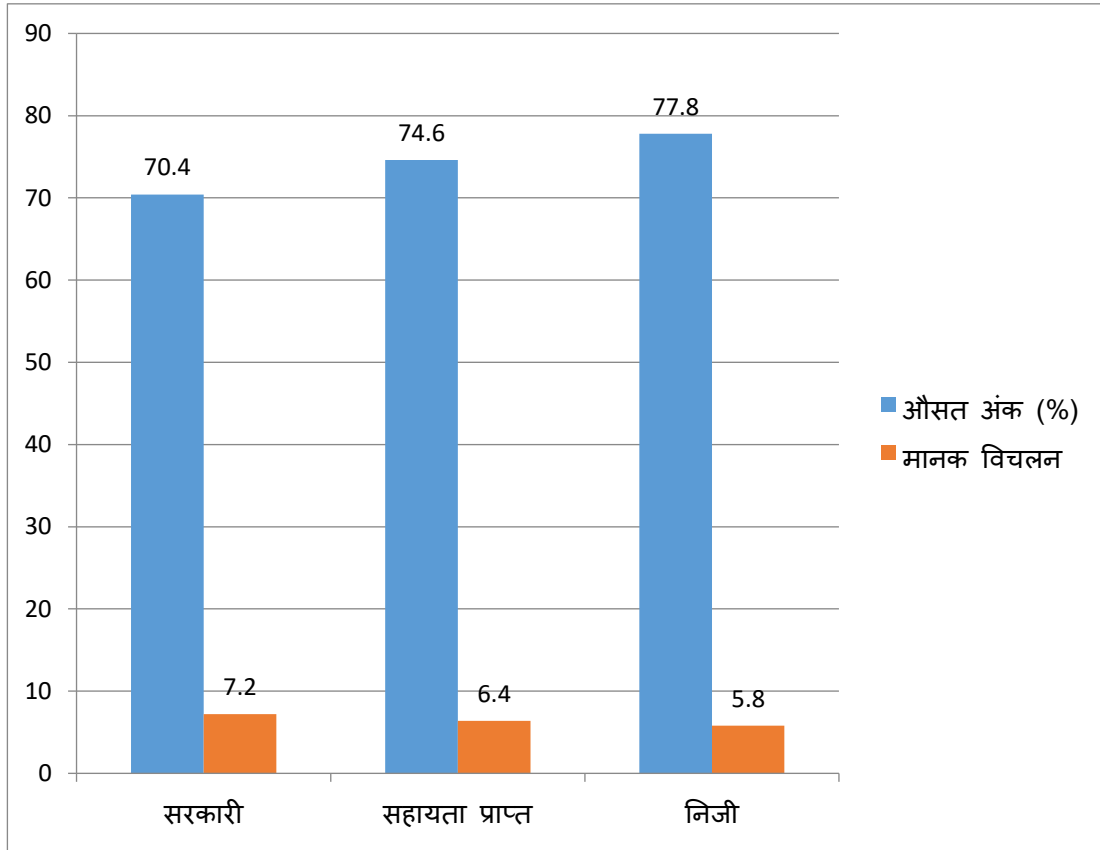
सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन की तुलना ANOVA परीक्षण द्वारा की गई।

तालिका 3: स्कूल प्रकार के आधार पर शैक्षणिक उपलब्धि

स्कूल प्रकार	औसत अंक (%)	मानक विचलन
सरकारी	70.4	7.2
सहायता प्राप्त	74.6	6.4
निजी	77.8	5.8

❖ ANOVA परीक्षण

- F -मूल्य = 4.56
- p -मूल्य = 0.012* ($*p < 0.05$)



ग्राफ 3: स्कूल प्रकार के आधार पर शैक्षणिक उपलब्धि

5. निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। छात्रों द्वारा सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जबकि सीमित और नियंत्रित उपयोग करने वाले छात्रों का प्रदर्शन बेहतर होता है। लिंग के आधार पर विश्लेषण में यह पाया गया कि लड़कियों का औसत शैक्षणिक प्रदर्शन लड़कों की तुलना में अधिक था, और यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण था। इसके अतिरिक्त, स्कूल प्रकार के आधार पर निजी स्कूलों के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन सरकारी स्कूलों के छात्रों से बेहतर था। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि संयमित सोशल मीडिया उपयोग, अध्ययन

पर ध्यान केंद्रित करना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग छात्रों के शैक्षणिक परिणामों को बेहतर बना सकता है।

संदर्भ

1. अरोड़ा, आर. (2019). *शैक्षणिक प्रदर्शन और सोशल मीडिया का संबंध*. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस.
2. कुमार, अ. (2020). *सोशल मीडिया और छात्रों की अध्ययन आदतें: एक समीक्षात्मक अध्ययन*. शिक्षा पत्रिका, 15(2), 112-125.
3. गुप्ता, न. (2018). *समय प्रबंधन और सोशल मीडिया का प्रभाव*. राजस्थान विश्वविद्यालय प्रकाशन.
4. शर्मा, एस. (2021). *सोशल मीडिया का विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव*. भारतीय मनोविज्ञान जर्नल, 22(3), 134-142.
5. सिंह, पी. (2017). *शिक्षा में तकनीकी और सोशल मीडिया का उपयोग*. प्रकाशन विभाग, भारतीय विश्वविद्यालय.
6. जैन, क. (2022). *सोशल मीडिया और शैक्षणिक उपलब्धि: एक साक्षात्कार आधारित अध्ययन*. सामाजिक विज्ञान जर्नल, 20(4), 89-99.
7. चौहान, द. (2020). *शिक्षण में सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलु*. माध्यमिक शिक्षा बुलेटिन, 35(1), 45-59.
8. वर्मा, आर. (2018). *शैक्षिक प्रदर्शन में सोशल मीडिया का योगदान: एक ऐतिहासिक समीक्षा*. शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 10(2), 99-106.
9. भट्ट, एन. (2019). *सोशल मीडिया के छात्रों पर प्रभाव: एक तुलनात्मक अध्ययन*. शिक्षा अध्ययन जर्नल, 28(1), 35-49.
10. कपूर, ए. (2021). *शैक्षणिक मनोविज्ञान और सोशल मीडिया का प्रभाव*. उच्च शिक्षा पत्रिका, 16(3), 122-135.
11. राय, म. (2020). *सोशल मीडिया और विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन: एक सर्वेक्षण*. भारतीय शैक्षिक शोध पत्रिका, 32(2), 143-158.

12. यादव, स. (2021). *सोशल मीडिया और छात्रों की सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव*. सामाजिक विज्ञान जर्नल, 17(3), 210-220.
13. अग्रवाल, उ. (2022). *सोशल मीडिया और शिक्षा में बदलाव*. शिक्षा और समाज, 30(1), 55-67.
14. सिंह, एम. (2020). *शैक्षणिक उपलब्धि और सोशल मीडिया का सामाजिक अध्ययन*. भारतीय शिक्षा अनुसंधान जर्नल, 12(4), 76-83.
15. कुमार, र. (2018). *सोशल मीडिया और शैक्षणिक व्यवहार: एक विधि आधारित अध्ययन*. शिक्षण और शैक्षिक सुधार पत्रिका, 25(2), 81-92.
16. जैन, ए. (2022). *सोशल मीडिया के उपयोग में वृद्धि और शैक्षिक परिणामों में बदलाव*. शिक्षा और प्रौद्योगिकी, 19(4), 134-145.
17. चौधरी, ओ. (2020). *सोशल मीडिया और छात्रों की मानसिकता में परिवर्तन*. युवा और शिक्षा पत्रिका, 28(2), 67-78.
18. गुप्ता, पी. (2017). *शिक्षा में सोशल मीडिया का प्रभाव: एक व्याख्यात्मक अध्ययन*. भारत विज्ञान प्रकाशन, 33(1), 56-68.
19. शर्मा, जे. (2021). *सोशल मीडिया का छात्रों के शैक्षणिक जीवन पर प्रभाव*. विश्वविद्यालय अध्ययन पत्रिका, 18(1), 112-121.
20. शर्मा, के. (2020). *शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण*. शिक्षा शोध पत्रिका, 40(3), 99-111.